दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 30-10-2025

कार्यक्रम • सीआरएसयू में आयोजित साहित्यिक एवं ललित कला तीन दिवसीय कार्यशाला

विद्यार्थियों को फोटोग्राफी, फाइन आर्ट्स की बारीकी बताई

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में युवा एवं संस्कृति विभाग द्वारा साहित्यिक एवं ललित कला पर तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को कार्यशाला में विभिन्न कलाकारों और विशेषज्ञों ने अपनी विशेषज्ञता साझा की। इस अवसर पर केएसपी शांते ने साहित्यिक गतिविधियों पर चर्चा की। मदन लाल ने क्ले मॉडलिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। डॉ. गुरचरण सिंह ने फाइन आर्ट्स पर अपने विचार साझा किए। सत्यराज गौतम ने कॉलेज में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर चर्चा की। सौरभ ने फोटोग्राफी पर अपनी विशेषज्ञता साझा की और विद्यार्थियों को फोटोग्राफी की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया।

सीआरएसयू में आयोजित साहित्यिक एवं ललित कला तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न गतिविधियों में माध्यम से प्रशिक्षण लेते हुए विद्यार्थी।

डॉ. केएसपी शांते ने साहित्यिक विधाओं के लिए लेखन कला पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक शैलियों और लेखन तकनीकों से अवगत कराया। कार्यशाला में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गुरचरण सिंह ने पेंटिंग की विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पेंटिंग से परिचित कराया और उन्हें अपनी रचनात्मकता को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विशेषज्ञों के साथ बातचीत और व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने का अवसर मिला। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे और अपने संदेहों का समाधान किया। इस कार्यशाला ने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य और कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं और गतिविधियों के बारे में जानने का अवसर मिला और उन्होंने अपनी रचनात्मकता को विकसित करने के लिए प्रेरणा प्राप्त की। इस मौके पर डॉ. अनिल कुमार, डॉ. भावना आदि उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी

Date – 30/10/2025

ललित कला के महत्वपूर्ण चरणों पर डाला प्रकाश

बच्चों को जानकारी देते हुए।

जींद, 29 अक्तूबर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में युवा एवं संस्कृति विभाग द्वारा साहित्यिक एवं ललित कला पर 3 दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को साहित्य एवं ललित कला के महत्वपूर्ण चरणों पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला में विभिन्न कलाकारों और विशेषज्ञों ने अपनी विशेषज्ञता सांझा की।

इस अवसर पर के.एस.पी. शांते ने साहित्यिक गतिविधियों पर चर्चा की। मदन लाल ने क्ले मॉडलिंग पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। डॉ. गुरचरण सिंह, विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने फाइन आर्ट्स पर अपने विचार सांझा किए। सत्यराज गौतम ने कॉलेज में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर चर्चा की। सौरभ ने फोटोग्राफी पर अपनी विशेषज्ञता सांझा की और विद्यार्थियों को फोटोग्राफी की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया।

डॉ. के.एस.पी. शांते चंडीगढ़ ने साहित्यिक विधाओं के लिए लेखन कला पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक शैलियों और लेखन तकनीकों से अवगत कराया।

कार्यशाला में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गुरचरण सिंह ने पेंटिंग की विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पेंटिंग से परिचित कराया और उन्हें अपनी रचनात्मकता को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विशेषज्ञों के साथ बातचीत और व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने का अवसर मिला।

कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे और अपने संदेहों का समाधान किया। इस कार्यशाला ने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को विकसित करने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर डॉ. अनिल कुमार व डॉ. भावना मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य और कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं और गतिविधियों के बारे में जानने का अवसर मिला और उन्होंने अपनी रचनात्मकता को विकसित करने के लिए प्रेरणा प्राप्त की।

अमर उजाला

Date – 30/10/2025

सीआरएसयू में विद्यार्थियों ने दी कला की प्रस्तुति

सीआरएसयू में रचनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेतीं छात्राएं। स्रोत : प्रवक्ता

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को युवा एवं संस्कृति विभाग द्वारा साहित्यिक एवं ललित कला पर दूसरे दिन विद्यार्थियों ने साहित्य एवं ललित कला में साहित्य की प्रस्तुति दी। इसमें मदन लाल ने क्ले मॉडलिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा डॉ. गुरचरण सिंह, विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने फाइन आर्ट्स पर अपने विचार सांझा किए। सत्यराज गौतम ने कॉलेज में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर चर्चा की। संवाद

दैनिक जागरण

Date – 30/10/2025

साहित्य एवं ललित कला के महत्वपूर्ण चरणों पर डाला प्रकाश

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में युवा एवं संस्कृति विभाग द्वारा साहित्यिक एवं ललित कला पर तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को साहित्य एवं ललित कला के महत्वपूर्ण चरणों पर प्रकाश डाला गया। मदन लाल ने क्ले माडलिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। डा. गुरचरण सिंह ने फाइन आर्ट्स पर अपने विचार साझा किए। सत्यराज गौतम ने कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर चर्चा की। सौरभ ने फोटोग्राफी पर अपनी विशेषज्ञता साझा की और विद्यार्थियों को फोटोग्राफी की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया। डा. केएसपी शांते ने विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक शैलियों और लेखन तकनीकों से अवगत कराया। कार्यशाला में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गुरचरण सिंह ने पेंटिंग की विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे और अपने संदेहों का समाधान किया। इस मौके पर डा. अनिल कुमार व डा. भावना मुख्य रूप से उपस्थित रहे।